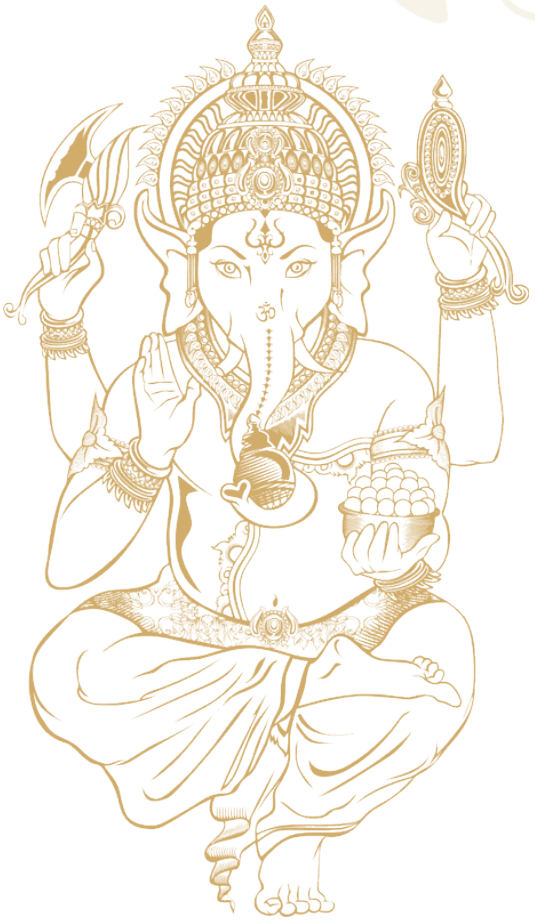

Ragav

07 Apr 1993

07:32 PM

Roorkee

Model: web-freekundliweb

Order No: 121286302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/04/1993**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**19:32:00 घंटे**
इष्ट	33:46:29 घटी
स्थान	**Roorkee**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:52:00 उत्तर
रेखांश	77:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:13:32 घंटे
वेलान्तर	-00:02:10 घंटे
साम्पातिक काल	08:16:56 घंटे
सूर्योदय	06:01:24 घंटे
सूर्यास्त	18:40:24 घंटे
दिनमान	12:39:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	23:59:43 मीन
लग्न के अंश	05:55:14 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	हर्षण
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

SANJAY JAGATNARAYANA JI
(SHIVOHAM ASHRAM)
SHREEM JAANKI DHAAM COLONY, JANTA ROAD, SAHARANPUR -247001 (U.P.)
9536669555
ssyp369@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:55:14	309:24:24	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मीन	23:59:43	00:58:58	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			तुला	05:18:11	14:55:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			मिथु	27:11:43	00:24:20	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कुंभ	26:20:37	01:04:25	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु	व		कन्या	14:59:46	00:07:34	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	14:24:02	00:33:17	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	03:27:14	00:05:27	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	19:51:19	00:06:44	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	19:51:19	00:06:44	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
हर्ष			धनु	28:16:28	00:00:57	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप			धनु	27:19:12	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो	व		वृश्चि	01:19:11	00:01:13	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	08:12:51	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:03

लग्न-चलित

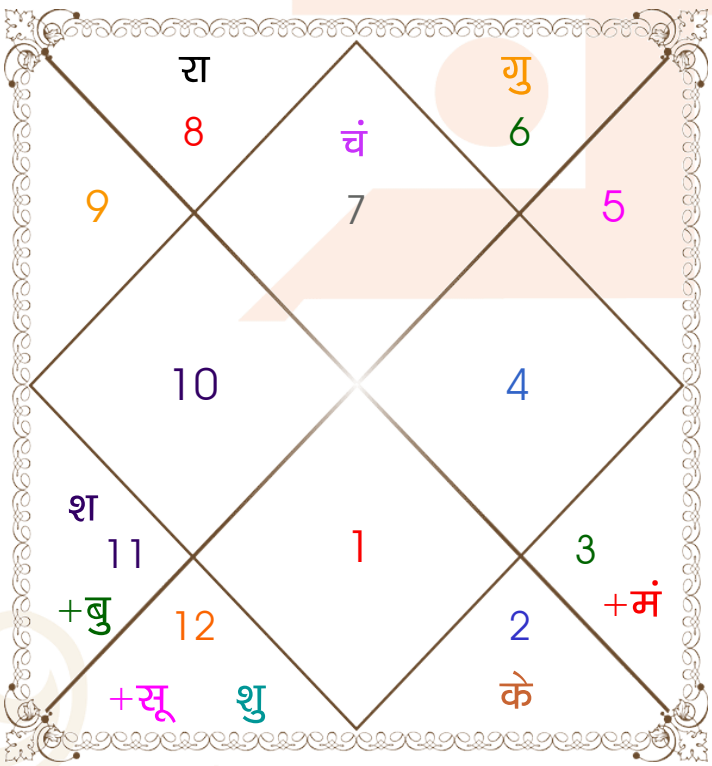

चन्द्र कुंडली

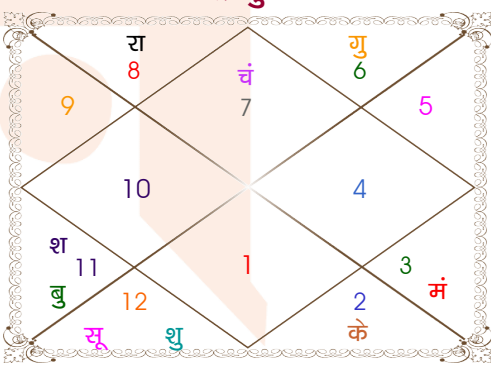

नवमांश कुंडली

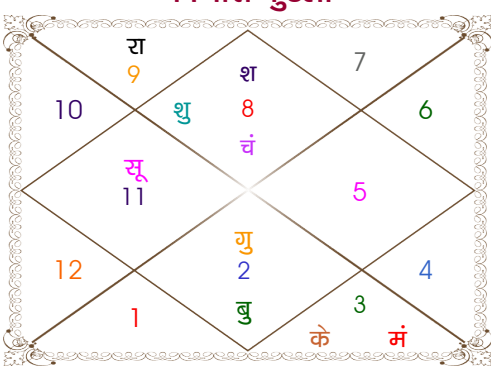

SANJAY JAGATNARAYANA JI
(SHIVOHAM ASHRAM)
SHREEM JAANKI DHAAM COLONY, JANTA ROAD, SAHARANPUR -247001 (U.P.)
9536669555
ssyp369@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 8 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/04/1993		25/12/1993		25/12/2011		25/12/2027		25/12/2046	
25/12/1993		25/12/2011		25/12/2027		25/12/2046		25/12/2063	
	00/00/0000	राहु	06/09/1996	गुरु	12/02/2014	शनि	28/12/2030	बुध	23/05/2049
	00/00/0000	गुरु	31/01/1999	शनि	25/08/2016	बुध	06/09/2033	केतु	20/05/2050
	00/00/0000	शनि	07/12/2001	बुध	01/12/2018	केतु	16/10/2034	शुक्र	20/03/2053
	00/00/0000	बुध	25/06/2004	केतु	07/11/2019	शुक्र	16/12/2037	सूर्य	24/01/2054
	00/00/0000	केतु	13/07/2005	शुक्र	08/07/2022	सूर्य	28/11/2038	चंद्र	26/06/2055
	00/00/0000	शुक्र	13/07/2008	सूर्य	26/04/2023	चंद्र	28/06/2040	मंगल	22/06/2056
	07/04/1993	सूर्य	07/06/2009	चंद्र	25/08/2024	मंगल	07/08/2041	राहु	09/01/2059
सूर्य	26/05/1993	चंद्र	07/12/2010	मंगल	01/08/2025	राहु	13/06/2044	गुरु	16/04/2061
चंद्र	25/12/1993	मंगल	25/12/2011	राहु	25/12/2027	गुरु	25/12/2046	शनि	25/12/2063

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/12/2063		25/12/2070		25/12/2090		25/12/2096		26/12/2106	
25/12/2070		25/12/2090		25/12/2096		26/12/2106		00/00/0000	
केतु	22/05/2064	शुक्र	26/04/2074	सूर्य	14/04/2091	चंद्र	25/10/2097	मंगल	24/05/2107
शुक्र	23/07/2065	सूर्य	26/04/2075	चंद्र	13/10/2091	मंगल	26/05/2098	राहु	11/06/2108
सूर्य	27/11/2065	चंद्र	25/12/2076	मंगल	18/02/2092	राहु	25/11/2099	गुरु	18/05/2109
चंद्र	28/06/2066	मंगल	24/02/2078	राहु	12/01/2093	गुरु	27/03/2101	शनि	26/06/2110
मंगल	25/11/2066	राहु	23/02/2081	गुरु	31/10/2093	शनि	26/10/2102	बुध	24/06/2111
राहु	13/12/2067	गुरु	25/10/2083	शनि	13/10/2094	बुध	27/03/2104	केतु	20/11/2111
गुरु	18/11/2068	शनि	25/12/2086	बुध	19/08/2095	केतु	26/10/2104	शुक्र	19/01/2113
शनि	28/12/2069	बुध	25/10/2089	केतु	25/12/2095	शुक्र	26/06/2106	सूर्य	08/04/2113
बुध	25/12/2070	केतु	25/12/2090	शुक्र	25/12/2096	सूर्य	26/12/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 8 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

SANJAY JAGATNARAYANA JI
(SHIVOHAM ASHRAM)
SHREEM JAANKI DHAAM COLONY, JANTA ROAD, SAHARANPUR -247001 (U.P.)
9536669555
ssyp369@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।